City भास्कर
bhaskarhindi.com
जबलपुर, शनिवार, 18 सितम्बर 2021 . 04

शहर के टीएफआरआई में है करीब 40 स्पीशीज का कलेक्शन, एक्सपर्ट ने कहा कि डेकोरेशन से लेकर फर्नीचर तक है उपयोगी

बेम्बू है बड़े काम का

सिटी रिपोर्टर, जबलपुर| बात चाहे बांस से बनने वाले फर्नीचर की हो या फिर इसकी खेती की। बांस की उपयोगिता हजार हैं। जी हाँ, आज है विश्व बांस दिवस। यह दिवस बांस के फायदों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और रोजमर्रा में इससे बनने वाले आइटम्स की उपयोगिता को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है। विशेषज्ञ बताते हैं कि म.प्र. के कई जगहों पर बांस की खेती की जाती है। फार्मर्स स्पेशल स्पीशीज वाले बांस की खेती को भी बढ़ावा देने का प्रयास कर रहे हैं। शहर में टीएफआरआई और एसएफआरआई में भी बेम्बू से रिलेटेड म्यूजियम और बांस की खास प्रजातियों का कलेक्शन देखने मिल रहा है।

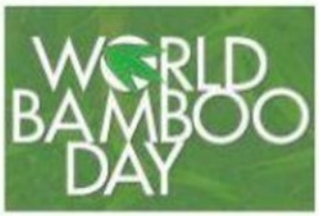

आमदनी का बेहतरीन साधन

विशेषज्ञ डॉ. एसके पांडे ने बताया कि भालू बांस के जंगलों में रहना पसंद करता है। वहीं बांस को खेतों की मेड़ों में लगाया जा रहा है। जिससे खेत को सुरक्षा भी मिलती हैं, वहीं इसकी फसल से आय भी होती है। बांस की उपयोगिता तो कई तरह से की जा रही है। डेकोरेशन आइटम्स से लेकर शानदार फर्नीचर तक, आर्ट एंड क्राफ्ट, घरेलू उपयोग की सामग्री से बांस से बनाई जा रही है। खासतौर पर आदिवासी एरिया में यह भरणपोषण का साधन भी है। जहाँ अनुपजाऊ जमीन को बांस लगाकर उपयोग किया सकता है और सालों साल इससे इन्कम भी की जा सकती है।

जुड़ती जा रहीं अलग-अलग प्रजातियाँ

टीएफआरआई की डॉ. फातिमा शिरीन ने बताया कि टीएफआरआई में बांस का खास कलेक्शन तैयार किया जा रहा है, जिसमें बांस की अलग-अलग प्रजातियाँ जुड़ती जा रही हैं। विश्व बांस दिवस के उपलक्ष्य में भी सात से आठ प्रजातियों के बांस के पौधे लगाए जाएँगे। कलेक्शन में लगभग 40 स्पीशीज शामिल हो चुकी हैं। इसके साथ ही डॉ. फातिमा ने बताया कि बांस की खेती करना भी आसान है। एक बार बांस का पौधा लगाने पर तीन से चार साल बाद वह फसल देने लगता है। अगले 30 से 40 साल तक हर साल बांस की फसल को प्राप्त किया जा सकता है। इसकी खेती के लिए पानी वाला क्षेत्र जरूरी होता है ।

कुछ ऐसा है इतिहास

विश्व बाँस संगठन द्वारा 18 सितंबर को वर्ल्ड बेम्बू डे मनाए जाने की आधिकारिक घोषणा सन् 2009 में की गई थी। विश्व बाँस संगठन का इस दिन को मनाने का उद्देश्य प्राकृतिक संसाधनों और पर्यावरण की रक्षा के लिए बांस की क्षमता को और अधिक उन्नत बनाना, स्थायी उपयोग सुनिश्चित करना, दुनिया भर के क्षेत्रों में नए उद्योगों के लिए बांस की नई खेती को बढ़ावा देना, साथ ही सामुदायिक आर्थिक विकास के लिए स्थानीय रूप से पारंपरिक उपयोगों को प्रोत्साहित करना है।